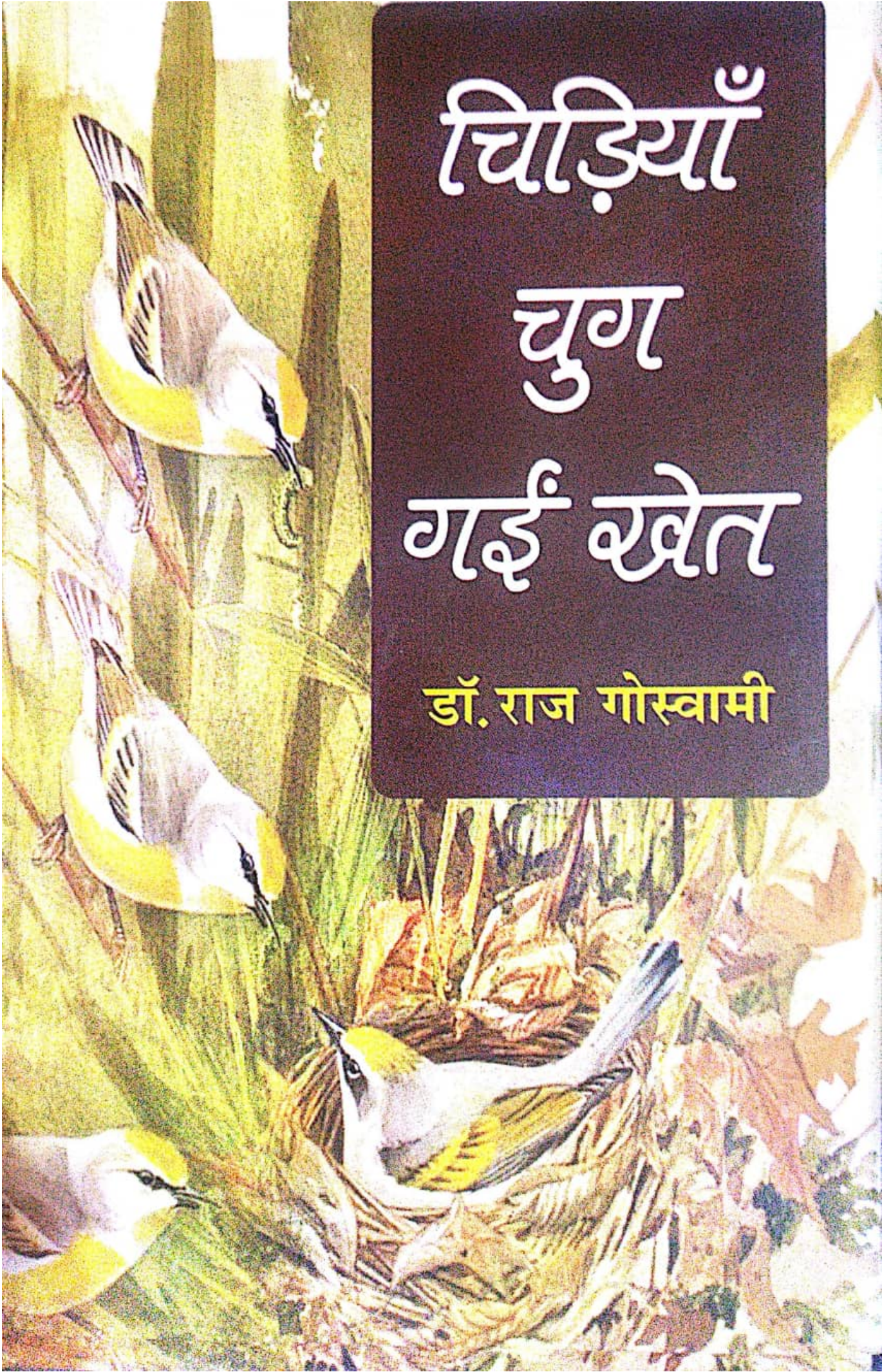


An illustration of four yellow-bellied birds, possibly sunbirds, in a nest. Three birds are perched on a branch on the left, and one is on the ground in the foreground. The background shows green foliage and autumn leaves.

# चिड़ियाँ चुग गईं खेत

डॉ. राज गोस्वामी

# चिड़ियाँ चुग गईं खेत

(लघुकथा संग्रह)

डॉ. राज गोस्वामी

बुक पब्लिकेशन  
लखनऊ

पुस्तक : चिड़ियाँ चुग गईं खेत (लघुकथा संग्रह)  
लेखक : डॉ. राज गोस्वामी  
प्रकाशक : बुक पब्लिकेशन  
प्रकाशक एवं वितरक  
106-विराम खण्ड-3, गोमती नगर  
लखनऊ-226 010 (उ.प्र.)

ईमेल : bookpublicationss@gmail.com

दूरभाष : 09506666655, 09935007103

ISBN : 978-93-85420-15-3

संस्करण : प्रथम 2017

मूल्य : ₹ 250/- मात्र

शब्द-सज्जा : च्वाइस कम्प्यूटर, कानपुर

मुद्रक : ज्ञानोदय प्रिंटर्स, कानपुर

---

**Chidiya Chug Gayi Khet**  
By Raj Goswami  
Price : Two Hundred Fifty Only

## अनुक्रम

- ♦ सुवह का भूला
- ♦ परोपकारी नाग
- ♦ सच्चे गुरु का उपदेश
- ♦ नाई की चतुराई
- ♦ ज्योतिष का चक्कर
- ♦ त्याग का फल
- ♦ अच्छा गुस्सा
- ♦ लाल की खोज
- ♦ रामू राजा बना
- ♦ विश्वास
- ♦ चिड़ियां चुग गईं खेत
- ♦ काठ का घोड़ा
- ♦ हवा महल
- ♦ झूठा पंडित
- ♦ माँ की मजबूरी
- ♦ बेटे की व्याकुलता
- ♦ संतोषी मन
- 14 / चिड़ियां चुग गईं खेत

|                      |         |
|----------------------|---------|
| सच्चा मित्र          | 87-88   |
| माँ का प्यार         | 89-91   |
| चलती का नाम गाड़ी    | 92-94   |
| 17- सच्ची परीक्षा    | 95-97   |
| 21- पिकी की मजबूरी   | 98-101  |
| 24- लाचारी           | 102-105 |
| 27- समर्पण की राह    | 106-108 |
| 31- प्रीति का संकल्प | 109-112 |
| 34-3                 |         |
| 39-4                 |         |
| 44-4                 |         |
| 49-5                 |         |
| 56-5                 |         |
| 60-6                 |         |
| 64-6                 |         |
| 68-7                 |         |
| 72-7                 |         |
| 77-7                 |         |
| 79-8                 |         |
| 84-8                 |         |

## डॉ. राज गोस्वामी

**जन्म** : 1 जनवरी 1947 दतिया (मध्यप्रदेश)

**विशेष** : म.प्र. के राज्यपाल माननीय श्री रामनरेश यादव द्वारा बुंदेली साहित्य पर जगनिक सम्मान 2014 में प्रदत्त।

**प्रकाशन**: ओ मेरे मन, अनुबंधों के छंद, मम्मी की चिट्ठी, जटायु, मेरी कविता यात्रा, तर्क से भरे, वो वीनस (अनुवाद) और मैं, ढोगी पंडित, गीता हाइकू, कुंभकर्ण हो गई चेतना, ओंछे बार ककई से, चन्द्रयान से जाएंगे, बाल हाइकू सतसई, चंदामामा पास के, गीत राज के और अब 'रामकथा चलती रहेगी' (लघुकथाएँ) और अब चिड़ियाँ चुग गईं खेत।



**सम्मान** : तुलसी अकादमी भोपाल, चंबल सर्किल जेल दतिया, मध्यप्रदेश लेखक संघ भोपाल, कादम्बरी जबलपुर, गुजरात हिन्दी विद्यापीठ अहमदाबाद, विक्रमशिला हिन्दी विद्यापीठ भागलपुर, राजभाषा दिल्ली, जैमिनी अकादमी पानीपत, जागरण झांसी, भारतीय स्टेट बैंक दतिया, जै मातेश्वरी उरई, महाकवि अवधेश साहित्य संस्थान झांसी, नेहरू युवा केन्द्र दतिया, साहित्यक सांस्कृतिक कला संस्था प्रतापगढ़, भारतीय दलित साहित्य अकादमी दिल्ली, रक्षा समिति दतिया, निर्दलीय प्रकाशन, भोपाल।

**सम्प्रति** : म.प्र. शासन, जल संसाधन विभाग, दतिया (म.प्र.)

अध्यक्ष, मध्यप्रदेश लेखक संघ, इकाई दतिया (म.प्र.)

**संपर्क** : श्री सदन, उद्योग विभाग की गली, सिविल लाइन्स, दतिया (म.प्र.)  
पिन-495661

**मोबाइल**: 09229688096

## बुक पब्लिकेशन

प्रकाशक एवं वितरक

106 विराम खण्ड 3, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ०प्र०)

मो०: 09506666655, 09935007103

E-mail: bookpublicationss@gmail.com

ISBN 978-93-85420-15-3



9 789385 420153 >

₹ 250/-